

# हे पापविनाशिनी मईया

हे पापविनाशिनी मईया, जगजननी तू है जगतारिणी,  
भक्तों के दुख हर ले श्यामा, मईया तू है दुखहारिणी ॥

जप-तप-योग कुछ नहीं जाने, पुत्र तेरा नादान है,  
तुझ तक पहुंचे किस राह से, वो बिल्कुल अंजान है ॥

विनती तुझसे है माता, हाथ बढ़ाकर थाम मुझे,  
कोई गैर नहीं हूँ मैं माता, अपना ही बालक जान मुझे ॥

है घोर अंधेरा जीवन में, चिन्ताओं के बादल छाए हैं,  
दुःख दारिद्र्य ने मुझको घेर लिया, रोम रोम घबराए हैं ॥

हे माता जगदम्ब भवानी, तुझसे बढ़कर कौन परउपकारी है,  
मईया मेरी दया दिखा दे, मुझ पर भीड़ पड़ी अब भारी है ॥

Source:

<https://www.bharattemples.com/he-papvinashani-maiyan-jagjani-tu-hai-jagatarini/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>